# संपादक का नोट

आप सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाय। हमारे अच्छे प्रभु जो हमारे लिए मरे, क्योंकि हम सभी भेड़ें भटक गए थे, हम हर किसी के लिए अपने तरीके से बदल गए हैं, और प्रभु ने हम सब के अधर्म को उसके ऊपर रख दिया है।

हम गुड फ्राइडे को याद करेंगे, जिस दिन यीशु हमारे लिए मरे, ताकि हम जीवित रह सकें।

सप्ताह के पहले दिन मरे हुओं में से जी उठने के बाद , मरियम मगदलीनी, याकूब की माता मरियम, और सलोमी सुबह सुबह कब्र के पास आए मरकुस 16 : 5 ''और कब्र के भीतर जाकर, उन्होंने एक जवान को श्वेत वस्त्र पहिने हुए दाहिनी ओर बैठे देखा, और बहुत चकित हुईं।''

यह देखते हुए उन्होंने एक युवा दूत को देखा, स्वर्गदूतों की कोई उम्र नहीं होती है, उनकी उम्र कभी नहीं दिखेगी, वे हमेशा युवा दिखते हैं। स्वर्गदूतों के लिए कोई लिंग नहीं होता है और न ही वे बढ़ते हैं। जब प्रभु ने स्वर्गदूतों को बनाया तो उसी संख्या में स्वर्गदूत अभी भी मौजूद हैं। जरूरत पड़ने पर वे अपने स्वरुप को बदल सकते हैं, लेकिन वे हमेशा युवा ही होते हैं। दूत एक मनुष्य का रूप ले सकता है, लेकिन मनुष्य कभी भी एक स्वर्गदूत का रूप नहीं ले सकता है। स्वर्गदूत मनुष्यों का खाना भी खा सकता है।

इब्राहीम ने तीन स्वर्गदूतों को खाना खिलाया जो उनके तम्बू पर आए थे और उन्होंने खाया उत्पत्ति 18 : 6–8 ''6 सो इब्राहीम ने तम्बू में सारा के पास फुर्ती से जा कर कहा, तीन सआ मैदा फुर्ती से गून्ध, और फुलके बना। 7 फिर इब्राहीम गाय बैल के झुण्ड में दौड़ा, और एक कोमल और अच्छा बछड़ा ले कर अपने सेवक को दिया, और उसने फुर्ती से उसको पकाया। 8 तब उसने मक्खन, और दूध, और वह बछड़ा, जो उसने पकवाया था, ले कर उनके आगे परोस दियाय और आप वृक्ष के तले उनके पास खड़ा रहा, और वे खाने लगे।''

स्वर्ग में वे शुद्धतम और सबसे उत्तम भोजन खाते होंगे। लेकिन फिर भी वे नहीं थे – छोटा आदमी का खाना।

इसी तरह शिमशोन के माता–पिता मानोह और उसकी पत्नी ने दूतों के लिए एक अनाज का बलिदान दिया जो उन्होंने स्वीकार किया। न्यायियों 13 : 19–20 ''19 तब मानोह ने अन्नबलि समेत बकरी का एक बच्चा ले कर चट्टान पर यहोवा के लिए चढ़ाया तब उस दूत ने मानोह और उसकी पत्नी के देखते देखते एक अद्‌भुत काम किया। 20 अर्थात जब लौ उस वेदी पर से आकाश की ओर उठ रही थी, तब यहोवा का दूत उस वेदी की लौ में हो कर मानोह और उसकी पत्नी के देखते देखते चढ़ गया; तब वे भूमि पर मुंह के बल गिरे।''

बाइबिल कहता हैं कि स्वर्गदूतों के भोजन को स्वर्गीय मन्ना कहा जाता है।

यहोवा ने जंगल में इस मन्ना के साथ 40 वर्ष ईसाइयों को खिलाया था भजन संहिता 78 : 25 ''उन को शूरवीरों की सी रोटी मिली; उसने उन को मनमाना भोजन दिया।''

फिर भी आदमी की ताकत कम हो गई और उसकी जिंदगी कम हो गई। मूसा लिखते है भजन संहिता 90 : 10 ''हमारी आयु के वर्ष सत्तर तो होते हैं, और चाहे बल के कारण अस्सी वर्ष के भी हो जाएं, तौभी उनका घमण्ड केवल नष्ट और शोक ही शोक है; क्योंकि वह जल्दी कट जाती है, और हम जाते रहते हैं।''

परन्तु स्वर्गदूत बहुत शक्तिशाली हैं। हिजकिय्याह की प्रार्थना सुनकर प्रभु ने एक स्वर्गदूत अश्शूर के साथ युद्ध में भेजा, उसने 1,85,000 सैनिकों को मार दिया।

भजन संहिता 103 : 20 ''हे यहोवा के दूतों, तुम जो बड़े वीर हो, और उसके वचन के मानने से उसको पूरा करते हो उसको धन्य कहो !''

उन लोगों के लिए जो प्रभु को नहीं जानते 2 थिस्सलुनीकियों 1 : 7–8 ''7 और तुम्हें जो क्लेश पाते हो, हमारे साथ विश्राम दे; उस समय जब कि प्रभु यीशु अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रकट होगा। 8 और जो परमेश्वर को नहीं पहचानते, और हमारे प्रभु यीशु के सुसमाचार को नहीं मानते उन से पलटा लेगा।''

जब कोई व्यक्ति उद्धार प्राप्त करने के बाद मर जाता है जब वह स्वर्ग में जाता है तो वह स्वर्ग में एक स्वर्गदूत की तरह हो जाता है लूका 20 : 36 ''वे फिर

मरने के भी नहीं; क्योंकि वे स्वर्गदूतों के समान होंगे, और जी उठने के सन्तान होने से परमेश्वर के भी सन्तान होंगे।''

वे प्रभु को आमने सामने देखेंगे प्रकाशितवाक्य 22 : 4–5 ''4 और उसका मुंह देखेंगे, और उसका नाम उन के माथों पर लिखा हुआ होगा। 5 और फिर रात न होगी, और उन्हें दीपक और सूर्य के उजियाले का प्रयोजन न होगा, क्योंकि प्रभु परमेश्वर उन्हें उजियाला देगा; और वे युगानुयुग राज्य करेंगे।

जब प्रभु हमारे लिए स्वर्गदूतों को भेजते हैं, तो वे परमेश्वर का वचन, बुद्धि और समझ लाते है।

प्रभु के स्वर्दूत बहुत शक्तिशाली होने के बावजूद वे अपने शक्तोयों का इस्तेमाल बिना कारण नहीं करते हैं।

परन्तु इस दुनिया के लोग व्यर्थ बातों में अपनी शक्तोयों को बर्बाद करते है। प्रेरित पतरस लिखते है 2 पतरस 2 : 11 ''तौभी स्वर्गदूत जो शक्ति और सामर्थ में उन से बड़े हैं, प्रभु के सामने उन्हें बुरा भला कह कर दोष नहीं लगाते।''

यहां तक कि महादूत मीकाईल जब मूसा के शरीर के लिए लड़ रहे थे, वह बहुत धीरज में थे। यहूदा 1 : 9 ''परन्तु प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने, जब शैतान से मूसा की लोथ के विषय में वाद–विवाद करता था, तो उस को बुरा भला कहके दोष लगाने का साहस न किया; पर यह कहा, कि प्रभु तुझे डांटे।''

पुराने करार में, जब इस्राएलियों ने मिस्र को छोड़ा ताकि वे शहद और दूध के देश में जा सके, तब तक वे पहुंचे। दिन में बादल और रात में आग का बादल और यहोवा के दूत उनके आगे आगे चले गए। निर्गमन 23 : 20 ''सुन, मैं एक दूत तेरे आगे आगे भेजता हूं जो मार्ग में तेरी रक्षा करेगा, और जिस स्थान को मैं ने तैयार किया है उस में तुझे पहुंचाएगा।''

परमेश्वर के स्वर्गदूत दुष्ट और अधर्मी लोगों से दूर रहेगा।

सबसे पहले हमें प्रभु को स्वीकार करना चाहिए और फिर उसे लोगों के सामने कबूल करना चाहिए। मत्ती 10 : 32 ''जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा, उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने मान लूंगा।''

जहाँ भी आप यीशु के नाम को कबूल करते हैं, प्रभु अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा और आशीर्वाद देगा। लूका 12 : 8 ''मैं तुम से कहता हूं जो कोई मनुष्यों के

सामने मुझे मान लेगा उसे मनुष्य का पुत्र भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने मान लेगा।''

जब भी आप यीशु के नाम को कबूल करते हो, तो प्रभु बहुत खुश होता हैं और आपको बचाने के लिए अपने स्वर्गदूत को भेजेगा। यीशु, पवित्र आत्मा और स्वर्गदूत हमेशा आपके साथ रहेंगे। यह ईस्टर आपके और आपके परिवार के लिए बहुत अच्छा हो ।

हमारा अच्छा प्रभु आप को आशीर्वाद दे और हम आपको इन पृष्ठों के माध्यम से फिर से मिलते रहें।

यहोवा की सेवा में आपकी,

पास्टर सरोजा म.

## हमारे प्रकाश आगे चमकते रहे!

प्रभु परमेश्वर ने हमें ईस्टर के सभी अच्छी खबर दी है, उनके द्वारा वादा किया, वह तुम्हारे और मेरे लिए उनकी मृत्यु के बाद तीसरे दिन फिर से जी उठे और अनन्त जीवन के साथ हमें आशीर्वाद दिया। तो और क्या बेहतर उपहार हमें 'ईस्टर' के लिए जरूरत है। तो शुरवात एक–दूसरे को ''ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाय'' देने से करते हैं। हम सभी आत्मिक रूप से इस साल अभिषेक किए जाएंगे। हाँ, प्रभु नहीं चाहते की हम जहां बैठे हैं वहीं रहे, लेकिन वह चाहता है की हम उठे और उसकी महिमा के लिए चमके। यशायाह 60 : 1 ''उठ, प्रकाशमान हो; क्योंकि तेरा प्रकाश आ गया है, और यहोवा का तेज तेरे ऊपर उदय हुआ है।'' प्रभु ने हमें बार–बार विचार दिया की 'उठो और प्रकाशमान हो, क्योंकि प्रभु का तेज तुझ पर उदय हुआ है'। यीशु हमारे पापों के लिए मर गया, हम पढ़ते हैं 1 कुरिन्थियों 15 : 3–5 ''3 इसी कारण मैंने सब से पहिले तुम्हें वही बात पहुंचा दी, जो मुझे पहुंची थी, कि पवित्र शास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मर गया। 4 ओर गाड़ा गया; और पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा। 5 और कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया।'' जैसे की हम से नबी के माध्यम से वादा किया था, यीशु मरे

हुओं में से फिर से जी उठे। इस प्रकार, हम आने वाले वर्षों में प्रभु के लिए प्रकाशमान होना चाहिए।

हम सभी को गिदोन की कहानी पता है, उसके हाथ में एक मिट्टी का घड़ा था, उसके भीतर आग की लौ थी। लेकिन, आग की लौ घड़े के बाहर नहीं चमकती थी, क्योंकि यह मिट्टी के घड़े के भीतर छिपा हुआ था। गिदोन ने 300 पुरुषों को चुना और उन्हें तीन समूहों में बांटा और प्रत्येक को एक तुरही और हर एक के हाथ में एक खाली मिट्टी का घड़ा दिया और मिद्यानी से लड़ने के लिए उन्हें भेज दिया। मिट्टी के घड़े के अंदर आग की लौ थी, लेकिन कोई भी इसे देख नहीं सकता था। केवल जब मिट्टी के घड़े टूट जाए, तब आग की लौ दुश्मन के द्वारा देखा जा सकता था। इस प्रकार जब मिद्यानियों ने देखा की उनके प्रति 300 धधकती आग उनकी तरफ आ रही है, वहाँ बहुत उज्ज्वल प्रकाश चारों ओर चमक रहा था। दुश्मन इस से डर गए, चिल्लाए और दूर भाग गए। न्यायियों 7 : 16–21 ''16 तब उसने उन तीन सौ पुरूषों के तीन झुण्ड किए, और एक एक पुरूष के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ों के भीतर एक मशाल थी। 17 फिर उसने उन से कहा, मुझे देखो, और वैसा ही करो; सुनो, जब मैं उस छावनी की छोर पर पहुंचूं, तब जैसा मैं करूं वैसा ही तुम भी करना। 18 अर्थात जब मैं और मेरे सब संगी नरसिंगा फूंकें तब तुम भी छावनी की चारों ओर नरसिंगे फूंकना, और ललकारना, कि यहोवा की और गिदोन की तलवार। 19 बीच वाले पहर के आदि में ज्योंही पहरूओं की बदली हो गई थी त्योहीं गिदोन अपने संग के सौ पुरूषों समेत छावनी की छोर पर गया; और नरसिंगे को फूंक दिया और अपने हाथ के घड़ों को तोड़ डाला। 20 तब तीनों झुण्डों ने नरसिंगों को फूंका और घड़ों को तोड़ डाला; और अपने अपने बाएं हाथ में मशाल और दाहिने हाथ में फूंकने को नरसिंगा लिए हुए चिल्ला उठे, यहोवा की तलवार और गिदोन की तलवार। 21 तब वे छावनी के चारों ओर अपने अपने स्थान पर खड़े रहे, और सब सेना के लोग दौड़ने लगे; और उन्होंने चिल्ला चिल्लाकर उन्हें भगा दिया।'' हाँ, प्रभु ने आपको और मुझे मिट्टी से बनाया है। उसने हमारे भीतर भी प्रकाश की लौ को रखा है। अगर हम मिट्टी के घड़े को तोड़कर खोलकर नहीं देखा है, तो दुनिया में प्रकाश की लौ हमारे भीतर नहीं है दिखेगा। दुश्मन ज्वलंत प्रकाश को देखना सहन नहीं कर सकता है, इस प्रकार हमें भी हमारे आसपास मिट्टी के घड़े को तोड़कर खोलना चाहिए। शरीर के हर काम जो हमारे भीतर होता है उसे नष्ट करना चाहिए और हम परमेश्वर की

महिमा के लिए चमकना चाहिए। वचन कहता है परमेश्वर ने मिट्टी से मनुष्य को बनाया हैं। याद है कहानी 'कुम्हार और चिकनी मिट्टी' की, हम सब मिट्टी से बने हुए हैं, हमारे भीतर आग की एक लौ है। प्रभु ने हमें भीतर उनकी ही सांस दी है, उन्होंने हमारे भीतर उसकी आत्मा दी है। लेकिन, दुश्मन हमारे भीतर प्रभु के प्रकाश को देखने के लिए, हमें मिट्टी के घड़े को जो हमारे चारों ओर से है तोड़कर खोलना चाहिए।

रोमियो 8 : 13 ''क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार दिन काटोगे, तो मरोगे, यदि आत्मा से देह की क्रीयाओं को मारोगे, तो जीवित रहोगे।'' हम ने यूहन्ना 20 में पढ़ा है, हर कोई आया था और खाली कब्र को देखा और चले गया लेकिन मरियम कब्र के बाहर कड़ी थी और फूट फूट कर रोने लगी। उसे डर था कि किसी ने यीशु के शरीर को दूर ले गया, यीशु के बारे में सोचकर उसका रोना चालू था। यीशु बहुत दूर खड़े थे और यह देख रहे थे, जबकि उसकी आँखें आँसुओं से भर गए थे, वह उसे पहचान नहीं सकी। लेकिन केवल जब वह बात किया और उसका नाम ''मरियम'' बुलाया, वह यीशु को देखने के लिए मुड़ी और उसे पहचान लिया और उसकी ओर भागी। जब यीशु इस दुनिया में जिंदा थे, उनमे भाई और बहन का रिश्ता था। वे एक प्रेम और भावना के साझीदार थे। जब भी यीशु ने इस गांव का दौरा किया, वह उनके घर में रहते थे। यीशु को इस परिवार के द्वारा अच्छी तरह से देखभाल मिलती थी। इस प्रकार, जब यीशु ने कहा ''मरियम'', उसने प्रभु की आवाज को पहचाना और प्रभु की ओर गले मिलने भागी। लेकिन यीशु ने उसे पकड़ने के लिए रोक दिया और कहा, ''मैं अब तक पिता के पास ऊपर नहीं गया हूँ।'' हम जानते हैं कि यहूदियों के डर से, सभी शिष्यों ने अपने घर में खुद को बंद कर दिया था। उन्होंने विश्वास नहीं किया था कि यीशु फिर से जी उठेंगे। फरीसियों और सदूकियों सभी लोगों को जो यीशु के अनुयायी थे जानते थे। वे सभी जो यीशु की मदद की और उसे समर्थन किया जानते थे, जबकि वह जीवित था। लेकिन अब, चेलों ने देखा था कि क्या हुआ और कैसे यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था, तो वे यहूदियों से डर गए थे और अपने घरों के भीतर रहने लगे। यीशु ने अपने शिष्यों का दौरा किया और उन्हें कहते हैं, ''तुम्हारे साथ शांति हो।'' यीशु जानते थे कि उसके चेले पूरी तरह से बिखर चुके है यह देखकर की उसे क्रूस पर चढ़ाया गया, उन्हें एक बार फिर से दृढ़ करने की जरूरत है, उनके विश्वास को एक बार फिर से प्रोत्साहन करने की जरूरत है। इस प्रकार, यीशु ने उन पर पवित्र आत्मा की

सांस दी और उन्हें एक बार फिर से सशक्त किया। शिष्यों ने खुशी से जाकर थोमा को यह सब बातें बताई, क्योंकि थोमा वहां मौजूद नहीं था जब यीशु उनसे मिलने आए थे। लेकिन वह शक के रूप में था थोमा, उसने कहा कि ''मैं इस पर विश्वास नहीं करूँगा, जब तक मैं घाव में मेरी उंगली डालकर न देखु जो भी तुम कह रहे हो मैं विश्वास नहीं करूँगा'' यीशु आठ दिनों के बाद एक बार फिर से उनके बिच प्रकट हुए, जब थोमा भी उनके बीच में था। यीशु चेलों के सामने प्रकट हुए, वह थोमा से कहता है कि, मेरे घाव में अपनी उंगली डाल और विश्वास कर कि यह है 'मैं' हूँ', लेकिन अविश्वासी न हों। हाँ, यीशु कहते हैं, **''धन्य हैं वे जो देखे बिना विश्वास करते हैं।''** हम आज यीशु के चेलों से और अधिक धन्य हैं उनमें विश्वास करने से, क्योंकि हमने कुछ भी नहीं देखा है, फिर भी हम अकेले 'वचन' के माध्यम से यीशु पर विश्वास किया है। इस प्रकार, यीशु ने कहा, ''सुच्चे विश्वासी अधिक काम कर सकते हैं जितना की मैंने इस धरती पर किया था''। क्यों यीशु ने हमें यह अधिकार दिया? क्योंकि हम ने विश्वास किया और उसे देखे बिना उसे स्वीकार किया है, हम ने केवल वचन की सच्चाई को माना है। हाँ, आपने और मैंने  यीशु के साथ खाया और पिया नहीं हैं, और न ही हम भीड़ थे जो उसे गधे पर सवारी करते हुए देखा। हमने उसे प्रचार करते हुए नहीं सुना था, और न ही हमने उसे किसी भी चमत्कार को करते हुए देखा था। फिर भी, हम यह मानते है 'वचन' और यह 'वचन' सत्य है। हमें शरीर के अनुसार नहीं जीना चाहिए, लेकिन अकेले आत्मा के माध्यम से। हम हमारे आसपास की मिट्टी के घड़े को तोडना चाहिए, उसके बाद ही हमारे भीतर प्रभु की धधकती आग दुश्मन के द्वारा देखा जाएगा।

वचन हमें एक और तरीका है कि कैसे हम प्रभु के लिए एक 'धधकती आग बन सकते है' कहता है। इफिसियों 5 : 14 ''इस कारण वह कहता है, हे सोने वाले जाग और मुर्दों में से जी उठ; तो मसीह की ज्योति तुझ पर चमकेगी।'' यहां तक कि आज भी हमारे बीच मृत रहने वाले है, जो दूर उनके जीवन में सो रहे हैं। जब 'वचन' को सुनते है, वे शारीरिक रूप से उपस्थित होते है लेकिन आत्मिक रूप से वे मर चुके हैं और उनका मन भटकता रहता है। ऐसे कुछ है जो शारीरिक रूप से यहाँ सो रहे हैं। कुछ लोगों को अपनी आवाज उठाकर गाना और उनके हाथों को उठाकर और ताली बजाकर गाना पसंद नहीं है। कुछ लोग देर तक बैठना पसंद नहीं करते, और न ही लंबे समय के लिए खड़े रहना पसंद करते है। 'वचन' जो यहां प्रचार किया जाता है उन्हें कड़वा लगता है।

यहाँ हमारे आसपास भी अलग–अलग प्रकार के लोग होते हैं। लेकिन, प्रभु हमें चेतावनी देते है कि हम इन लोगों की तरह नहीं होना चाहिए। वह हमें चेतावनी देते हैं की 'मृत से उठो' और इन लोगों से अलग हो जाओ, उसके बाद ही हम प्रभु की महिमा के लिए चमक सकते हैं। हाँ, प्रभु ने हमारे भीतर उनकी धधकती आग को रखा है, लेकिन जब तक मिट्टी का घड़ा हमारे आसपास टूट नहीं जाता, हम उसकी महिमा के लिए चमक नहीं सकते। ऐसे लोग मरे हुए जीवित हैं, उन में तेल नहीं है, इस तरह उनकी लौ बंद कर दिया गया है। हम जानते हैं कि क्या हुआ जब यीशु गेथ्सेमाने के गार्डन के पास गए, उन्होंने शिष्यों से कहा कि एक पेड़ की छाया में बैठे और चौकस रहे और प्रार्थना करे। जबकि, यीशु बहुत दूर एक पत्थर पर दोपहर की गर्मी में बैठते और प्रार्थना करते। शिष्य सो गए। लूका 22 : 46 ''उठो, प्रार्थना करो, कि परीक्षा में न पड़ो।'' जब हम सोते हैं, हम परीक्षा में गिर जाते हैं, इस प्रकार हम अपने आप को जो लोग सोते हैं उनसे अलग होना चाहिए। क्योंकि चेलों ने प्रार्थना करना जारी नहीं रखा, वे सो गए और इस तरह के परीक्षा में गिर गए। हाँ, हमारे परमेश्वर ने हम में से प्रत्येक को 'धधकती आग' हमारे भीतर दे दिया है। फिर भी हम स्तुति और आराधना करना नहीं चाहते। हम वचन सुनते सो जाते है, हम कलीसिया नहीं जाना चाहते इस प्रकार हम पाप में गिर जाते हैं और बीमार हो जाते हैं। हम एक जीवित मृत बन गए हैं। कौन हमें बचा सकता है? यह केवल प्रभु है जो हमें बचा सकते है। अगर हम प्रभु के लिए हमारे समय नहीं दे पा रहे हैं तो? जब हम चाहेंगे तब कैसे वह हमें बचाएगा ? कौन हमें अनन्त जीवन दे सकता है? कौन हमारे लिए मरा? यीशु हमारे लिए मरा, और मरे हुओं में से फिर से जी उठा, हमें शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान देने के लिए और इसके ऊपर हमारे जीवन में अपने सभी अनुग्रह को दिया। हमारी आग पर लौ तैयार करने के लिए, यीशु मरे हुओं में से फिर से जी उठे। हम उसे अपना समय, हमारी आराधना, हमारी श्रद्धा देना चाहिए। जीवन के व्यावहारिक चीजों को और अधिक दुनिया का सामना करने के लिए एक आदमी को तैयार कर देता है। यीशु इस दुनिया में रहते थे और फिर भी देश के कानून के अनुसार नहीं रहते थे। उदाहरण के लिए, एक महिला व्यभिचार में पकड़ी गई और न्याय के लिए यीशु के पास लाई गई थी। हम जानते हैं कि कानून उन दिनों में कैसा था, एक आदमी/औरत को अगर वे व्यभिचार में फंस जाते हैं तो, पत्थर मारकर मौत की सजा थी। लेकिन यीशु यह महिला को जो उस के पास लाई गई थी उसका ह्रदय जानता था। वास्तव में कानून के अनुसार, आदमी और औरत दोनों व्यभिचार में पकडे गए न्याय के लिए

लाया जाना चाहिए था। लेकिन इस मामले में, केवल स्त्री को ही उसके सामने लाया गया था। इस प्रकार, यीशु, महिला को उसके हृदय को और उसके पश्चाताप को जानता था, वह इस प्रकार प्रत्येक और उसके चारों ओर हर एक खड़े उन के पापों को बाहर ले आया। इस प्रकार वे उनकी दृष्टि से दूर भागना शुरू हुए। अंत में यीशु औरत के साथ अकेला छोड़ दिए गए थे और वह उसे उद्धार देता है और उसे कहता है कि 'और पाप नहीं करना'। याद रखें, चाहे कुछ भी अन्याय हमारे जीवन में आए, लेकिन हम अपने प्रभु को कभी त्यागना नहीं चाहिए, क्योंकि वह न्याय का प्रभु है और वह हमारे हृदय के अनुसार न्याय करेगा ऐसा नहीं जैसे की दुनिया देखती है, क्योंकि वह हमारे हृदय को जानता है। हम जानते हैं कि सरकार आज पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग नियमों को तैयार किया है, लेकिन हमारे प्रभु एक 'न्यायी प्रभु' है वह कानून नहीं तोड़ता है, वह एक कानून का रक्षक है। जो लोग प्रार्थना नहीं करते है, वे परीक्षा में गिर जाते हैं। कभी बाइबिल और प्रार्थना करने के लिए छोड़ना नहीं चाहिए, तुम परीक्षा में गिर जाओगे। कौन हमें परीक्षा से बचा सकता है? केवल प्रभु ही हमें परीक्षा से हमें बचा सकता है। लूका 24 : 13–16 ''13 देखो, उसी दिन उन में से दो जन इम्माऊस नाम एक गांव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से कोई सात मील की दूरी पर था। 14 और वे इन सब बातों पर जो हुईं थीं, आपस में बातचीत करते जा रहे थे। 15 और जब वे आपस में बातचीत और पूछताछ कर रहे थे, तो यीशु आप पास आकर उन के साथ हो लिया। 16 परन्तु उन की आंखे ऐसी बन्द कर दी गईं थी, कि उसे पहिचान न सके।'' यह लोग उनके हृदय में मूर्ख थे और इस तरह वे अविश्वास के साथ अंधे थे, वे यीशु को पहचान नहीं सके। ''25 तब उस ने उन से कहा; हे निर्बुद्धियों, और भविष्यद्वक्ताओं की सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियों! 26 क्या अवश्य न था, कि मसीह ये दुख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करे? 27 तब उस ने मूसा से और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्र शास्त्रों में से, अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें समझा दिया।'' इन लोगों ने यीशु को हलके में ले लिया तब भी जब वह इस दुनिया में प्रचार किया उनको कोई परवाह न थी, वे अविश्वास के साथ उनके हृदय में मूर्ख थे। उनके दिमाग सुस्त थे और उन्होंने किसी भी नबी पर विश्वास नहीं किया यहाँ तक की मूसा के समय से भी। हमें प्रभु की नियत दिन को कभी उनके स्तुति और आराधना करने से अपने जीवन में त्यागना नहीं चाहिए,और कलीसिया में जाने से और 'वचन' सुनने से, तो आग की लौ हमारे जीवन से कम हो जाएगा। हम हमारे जीवन में असहाय हो जाएंगे।

हमारे मन नष्ट हो जाएंगे। हम हमेशा परीक्षा के लिए सावधान रहना चाहिए। हम में से हर एक के जीवन में विभिन्न परीक्षणों का सामना करना पड़ेगा, हम में से हर एक को सफाई की भट्ठी के माध्यम से जाना पड़ेगा, ताकि प्रभु के लिए शुद्ध किए जा सके। हमारे भीतर आग की लौ हमेशा जलते रहना चाहिए और हमारे दुश्मन यह देखना चाहिए। जैसे की इस्राएलियों ने निर्जन भूमि में मन्ना खाया और 40 साल के लिए अच्छे स्वास्थ्य के साथ आशीषित थे, वैसे ही हमें भी हमारे जीवन में आत्मिक मन्ना हमारे जीवन में परीक्षा से दूर रहने की आवश्यकता है। **यूहन्ना 1 : 11** कहता है 'वह अपनों के लिए आया था, लेकिन उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया।' इस प्रकार, हम हमारे जीवन में हर रोज मन्ना खाना चाहिए। **भजन संहिता 1 : 1–3** कहता है कि हम अपने आप को इस दुनिया के दुष्ट से दूर रखना चाहिए, जो हमें अपने प्रभु से दूर ले जाए, इस प्रकार हम प्रभु के लिए एक प्रकाश बन जाएंगे। मूसा ने उपवास किया और सिनाई पर्वत पर प्रभु के साथ–साथ 40 दिन और रात बिताई। जब वह वापस आया, उसका चेहरा प्रभु की महिमा के साथ चमक रहा था, कोई भी उसके चेहरे को नहीं देख पा रहा था क्योंकि प्रकाश मूसा पर चमक रहा था। निर्गमन 34 : 28–30 ''28 मूसा तो वहां यहोवा के संग चालीस दिन और रात रहा; और तब तक न तो उसने रोटी खाई और न पानी पिया। और उसने उन तख्तियों पर वाचा के वचन अर्थात दस आज्ञाएं लिख दीं। 29 जब मूसा साक्षी की दोनों तख्तियां हाथ में लिए हुए सीनै पर्वत से उतरा आता था तब यहोवा के साथ बातें करने के कारण उसके चेहरे से किरणें निकल रही थी।, परन्तु वह यह नहीं जानता था कि उसके चेहरे से किरणें निकल रही हैं। 30 जब हारून और सब इस्त्राएलियों ने मूसा को देखा कि उसके चेहरे से किरणें निकलती हैं, तब वे उसके पास जाने से डर गए।'' हाँ, हमारे प्रभु परमेश्वर ने वादा किया है कि अंत समय में वे सभी मानव जाति पर पक्षपात के बिना, उसकी आत्मा उंडेल देगा। हाँ, हमारे प्रभु हर एक की प्रतिभा को देखेंगे, वही प्राप्त करने के लिए हमारी इच्छा और हमारी योग्यता देखेंगे। हम में से हर एक को परमेश्वर के प्रकाश से भरने की इच्छा होगी, हम इस संसार के पापों से और सांसारिक लोगों से खुद को अलग करना चाहिए। पास्टर का जीवन जैसे, जब वह इस पवित्र मंदिर में प्रभु की खोज में आई थी, वह वचन नहीं जानती थी क्योंकि वह एक क्रिस्ती नहीं थी। वह एक अनपढ़ औरत थी। यहां तक कि उसके स्कूल के दिनों में, जब उसे प्रार्थना करने के लिए कहा जाता था, वह भाग जाती थी, वह स्कूल में प्रार्थना से बचने के लिए देर से पहुचती थी। लेकिन उन सभी जो देर से आते थे अलग से प्रार्थना

करने के लिए कहा जाता था और उसके बाद ही कक्षा में प्रवेश करने दिया जाता था। फिर भी, उसने प्रभु को स्वीकार नहीं किया। शाऊल की तरह डमस्कस सड़क पर पॉल में परिवर्तित कर दिया गया था। उसी तरह, प्रभु ने उसके जीवन को छुआ और उसे बदल दिया। वह बेसब्री से देखती थी की समय से पहले इस पवित्र मंदिर में आए। हालांकि वह पूरी तरह से नहीं बदली थी, फिर भी प्रभु से बहुत प्यार करती थी, लेकिन इस दुनिया की बातें और इच्छा में रहती थी। यह कहना है कि हो जाता है, यह प्रभु यीशु ने खुद है की, जो हमारे दिल में एक पूर्ण परिवर्तन लाता है और यह भी इस दुनिया की बातों के लिए इच्छाओं को बदल देता है। आज भी, हमें लोगों को बताने की जरूरत नहीं है की ऐसा मत करो या वैसा मत करो, लेकिन जब प्रभु पूरी तरह से दिल को कब्जा करता है, वह अकेले ही हमारे जीवन में 360 डिग्री का परिवर्तन लाएगा। हमारे पास कई भिलाड़ के सदस्य है, जो उनके जीवन को बदल दिया है। हम ने उन्हें नहीं कहा बदलने के लिए, या त्यागने के लिए वे क्या कर रहे हैं। लेकिन प्रभु ने उन्हें और उसके प्रति उनके दिल को बदल दिया है। शुरुआत से, हम इस दुनिया में प्रभु के कार्यों को देखते आए हैं, केवल प्रभु के प्यार के प्रसार से ही होता है उन्हें कुछ भी जो वे विश्वास नहीं करते ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं करते। हमें पता होना चाहिए कि प्रभु का वचन केवल प्यार से ही फेलाया जा सकता है और न की जबरदस्ती से हो सकता है। हम अपने जीवन को एक ही स्थान में बैठकर बिताना नहीं चाहिए, बल्कि हमें इस दुनिया में प्रभु का प्रकाश फैलाना चाहिए, यही वजह है कि हम इतना कष्ट उठाते है इन सभी जगहों पर प्रभु का वचन प्रसार करने के लिए। अगर हम शरीर में ही जिएंगे, तो हम हमारे शरीर में अपने आप नष्ट हो जाएंगे। हमारे चारों ओर मिट्टी का घड़ा तोड़ दिया जाना चाहिए, उसके बाद ही ज्वलंत प्रकाश इस दुनिया को दिखाया जाएगा। इस प्रकार हम प्रभु के लिए काम करने की इच्छा होनी चाहिए, हम इस दुनिया में वचन प्रसार करने की इच्छा होनी चाहिए और परमेश्वर के प्रकाश को इस दुनिया में फेलाना चाहिए, हमें प्रभु के लिए हमारे समय का त्याग करना चाहिए। हाँ, अंत समय हाथ पर ही है। याद रखें, बाइबल कहता है वहां दो होंगे, एक उठा लिया जाएगा। एक कौन है जो ऊपर ले लिया जाएगा? जिसकी मिट्टी का घड़ा टूट गया है और जिसका प्रकाश प्रभु के लिए चमक रहा है। एक है जो खुद को लड़का या लड़की इस दुनिया से अलग कर देगा ऊपर ले लिया जाएगा। अन्य एक है जो शरीर में रहते है, निश्चित रूप से इस दुनिया में नष्ट

हो जाएंगे। रोमियो 8 : 13 ''क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार दिन काटोगे, तो मरोगे, यदि आत्मा से देह की क्रीयाओं को मारोगे, तो जीवित रहोगे।''

हम पुराने करार में हनोक की कहानी जानते है, पढ़ते है उत्पत्ति 5 : 22 ''और मतूशेलह के जन्म के पश्चात हनोक तीन सौ वर्ष तक परमेश्वर के साथ साथ चलता रहा, और उसके और भी बेटे बेटियां उत्पन्न हुईं।'' हनोक 300 साल प्रभु के साथ चला था। प्रभु चाहता है की हम हनोक और मूसा की तरह बने। इब्रानियों 13 : 5 ''तुम्हारा स्वभाव लोभरिहत हो, और जो तुम्हारे पास है, उसी पर संतोष किया करो; क्योंकि उस ने आप ही कहा है, कि मैं तुझे कभी न छोडूंगा, और न कभी तुझे त्यागूंगा।'' प्रभु की इच्छा है की वह हमारे साथ भी चले और बात करे जैसे के उन्होंने हनोक और मूसा के साथ किया था। याद रखें, पैसा सब बुराई की जड़ है। हमें उनकी खातिर सभी चीजों को त्यागना चाहिए। जब हम इस दुनिया में सब बातों को त्याग देते है, हम उनके प्रिय बन जाते है। हम प्रभु के साथ जरूर होंगे जब वह अपने चुने हुओ को इकट्ठा करने के लिए आएगा। मत्ती 24 : 40–41 ''40 उस समय दो जन खेत में होंगे, एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ दिया जाएगा। 41 दो स्त्रियां चक्की पीसती रहेंगी, एक ले ली जाएगी, और दूसरी छोड़ दी जाएगी।'' जब हम शारीरिक इच्छाओं को त्यागते है और इस दुनिया में प्रभु की इच्छा के अनुसार रहते हैं, धधकती आग हम पर चमकेगी, हम प्रभु द्वारा निश्चित रूप से उठाए जाएंगे। हमारे प्रभु को हमारे हर उसके लिए किए गए काम को जानता है। उस से कुछ भी छिपा नहीं है। वह परमेश्वर है जो अंत में आत्माओं की फसल कटेगा क्योंकि वह अकेले ही हमारे ह्रदय को जानता है। चलो हम बस एक पल के लिए इसके बारे में सोचते हैं, चलो हम अंत समय के बारे में सोचते है, हमें कैसे महसूस होगा जब हम नरक की आग में जलने के लिए पीछे छोड़ दिए जाएंगे। क्या कारण है कि प्रभु हमें छोड़ देगा ? इब्रानियों 11 : 5 ''विश्वास ही से हनोक उठा लिया गया, कि मृत्यु को न देखे, और उसका पता नहीं मिला; क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया था, और उसके उठाए जाने से पहिले उस की यह गवाही दी गई थी, कि उस ने परमेश्वर को प्रसन्न किया है।'' हमारा विश्वास ही कारण है कि प्रभु को हमें त्यागना होगा। इस दुनिया से प्रभु ने हनोक को ऊपर ले गए क्योंकि वह अंत तक प्रभु के साथ जुड़ा हुआ था। याकूब 4 : 8 ''परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा; हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो; और हे दुचित्ते लोगों अपने ह्रदय को पवित्र करो।'' हम प्रभु के पास नहीं जाना

चाहते क्योंकि हम पापी हैं, हमें खुद को पहले शुद्ध करने की जरूरत है, हम प्रभु के करीब आकर्षित करने के लिए हमारी खोज में दुविधा में नहीं होना चाहिए। प्रभु यीशु 'खर्चीला बेटा' पर बाइबल में से एक दृष्टान्त के साथ याकूब को जवाब देता है। लूका 15 : 20 ''तब वह उठकर, अपने पिता के पास चला; वह अभी दूर ही था, कि उसके पिता ने उसे देखकर तरस खाया, और दौड़कर उसे गले लगाया, और बहुत चूमा।'' बेटा इस दुनिया के पापों से खुद को शुद्ध किया और फिर अपने पिता के पास लौट आया। उसके पिता ने उस पर तरस खाया और उसे वापस स्वीकार कर लिया। हमारे प्रभु यीशु मसीह, हमारे लिए ऐसा ही करता है, वह हमें दूर से देखता है, लेकिन जब हम पश्चाताप करते है और अपने आप को इस संसार के पापों से शुद्ध करते है, वह हमें खुले हाथों से स्वीकार करता है।

प्रकाशितवाक्य 3 : 20 ''देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं; यदि कोई मेरा शब्द सुन कर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आ कर उसके साथ भोजन करूंगा, और वह मेरे साथ।'' हाँ, एक बार फिर प्रभु ने हमें आश्वासन दिया है कि वह हमारे ह्रदय के दरवाजे के बाहर खड़ा है और दस्तक दे रहा है, अगर हम उसकी आवाज को सुनेंगे और दरवाजा खोलेंगे तो वह अंदर प्रवेश करेंगे। चलो, हम में से हर एक पश्चाताप करे और आज प्रभु को स्वीकार करते हैं। हमें हमारे आसपास के मिट्टी के घड़े को तोड़ना होगा और धधकती आग को प्रकाश में बदलना होगा और यीशु के लिए चमकना होगा। हमें भी ऐसा प्रकाश होना है कि दूसरे देखे और स्वीकार करे। दुश्मन भी इस प्रकाश को हमारे भीतर चमक रहा है देखे और हम से दूर भाग जाए। लूका 15 : 7 ''मैं तुम से कहता हूं; कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनन्द होगा, जितना कि निन्नानवे ऐसे धर्मियों के विषय नहीं होता, जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं।'' आज एक नई जिंदगी की शुरुआत है, जैसा कि हम इस नए साल में शुरू हो रहे है हम फिर से याद करते है जो हमने पढ़ा 1 कुरिन्थियों 15 : 3–5, कैसे यीशु ने हमारे पापों के लिए मरे, क्रूस पर चढ़ाए गए थे और हमें अनन्त जीवन के साथ आशीर्वाद देने के लिए तीसरे दिन फिर से जी उठे। प्रभु परमेश्वर की इच्छा नहीं है कि हम जहां बैठे है वही बैठने के लिए जारी रखे, बल्कि वह चाहता है कि हम हमारे आसपास के मिट्टी के घड़े को तोड़ने और धधकती आग प्रकाश बन जाए ताकि दुनिया के लिए दिखाया जा सकता है और कई अधिक पापी इस प्रकाश को देखेंगे और स्वीकार करेंगे।

ताकि हम दुनिया के लिए एक वरदान हो जाए, कई देखेंगे और विश्वास करेंगे और उनके बचाव अनुग्रह करने के लिए लाया जा सकता है।

संभव हो की यह संदेश प्रज्वलित करे एक 'नई रोशनी को हमारे जीवन में और हमें ईस्टर के सही अर्थ का जश्न मनाय'। प्रभु इस वचन को आशीर्वाद दे!

प्रभु की सेवा में आपंकी,

पास्टर सरोजा म.